

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग
केंद्रीय जल आयोग
जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय



Government of India
Ministry of Jal Shakti
Dept. of Water Resources, RD&GR
Central Water Commission
Water System Engineering Directorate

विषय: समाचार पत्रों की कटिंग का प्रस्तुतीकरण-24-सितंबर-2020

जल संसाधन विकास एवं सम्बद्ध विषयों से संबन्धित समाचार पत्रों की कटिंग को केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष के अवलोकन के लिए संलग्न किया गया है . इसकी साफ्ट कापी केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी.

संलग्नक: उपरोक्त

(-/sd)

सहायक निदेशक

उप निदेशक(-/sd)

निदेशक (-/sd)

सेवा में

अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली

जानकारी हेतु: सभी संबन्धित केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट <http://cwc.gov.in/news-clipping> पर देखें



Hindustan Times 24-September-2020



The aftermath of rain at Null Bazar in south Mumbai on Wednesday. Pratik Chorge/HT Photo

Hindustan Times 24-September-2020

No improvement in Ganga water quality

Jayashree Nandi

letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Ganga's water quality did not improve during the first month of the lockdown imposed in the aftermath of the coronavirus pandemic, according to a new report released on Wednesday by the Central Pollution Control Board (CPCB), belying hopes that the closure of industries and restrictions on public movement and gatherings may have reduced pollution and made the river cleaner.

In fact, the Ganga's water quality deteriorated in many stretches, suggests the report titled *Assessment of Impact of Lockdown on Water Quality of Major Rivers*. The analysis showed that only seven of the 19 major rivers in India recorded an improvement in their water quality in April during the lockdown that took effect on March 25, compared to the pre-lockdown period.

The lockdown lasted from

period; the Brahmaputra (100 % from 87.5%); Cauvery (96.97 % from 90.5 %); Godavari (78.4 % from 65.8%); Krishna (94.4 % from 84.6 %); Tapi (87.5 % from 77.8 %); and the Yamuna (66.67 % from 42.8 %).

Ganga's compliance with primary water quality criteria declined to 46.2 % during lockdown from 64.6 %. The report suggests that this may have been because of discharge of untreated or partially treated sewage; a negligible or lower seasonal flow which increases concentration of pollutants; and absence of fresh water discharge from upstream. Compliance with water quality criteria also declined in the Beas, Chambal, Sutlej and Swarnarekha.

Four rivers that were 100% compliant with outdoor bathing water quality criteria were Baitarani, Mahanadi, Narmada and Pennar. In the Ganga, during the pre-lockdown period, primary water quality in 42 out of 65 monitored locations (64.6 %)

ANALYSIS SHOWED THAT ONLY SEVEN OF THE 19 MAJOR RIVERS RECORDED AN IMPROVEMENT IN THEIR WATER QUALITY IN APRIL

March 25 to May 31, although some industrial activities were allowed even in April.

The lower volume of water in the rivers didn't help, either. A milder March and April and delayed and reduced snow-melt may have also meant lower inflow into these rivers in April. Most Himalayan rivers depend on snow-melt and plain-fed rivers on the monsoon for a recharge.

The seven rivers that registered an improvement included the Brahmani, whose compliance with water quality criteria for outdoor bathing rose to 100% from 85% in the pre-lockdown

and during the lockdown, 25 out of 54 monitored locations (46.3 %) were found to be within the desirable limits.

The Ganga originates in the northernmost part of Uttarakhand, flows through Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand and West Bengal and finally into the Bay of Bengal. The total length of the river is 2,525 kilometres.

"We found that Ganga water had improved in Uttarakhand and some stretches of Uttar Pradesh but no improvement was seen in West Bengal and Bihar. This, combined with lean flow, led to fewer locations recording improvement in water quality," said a CPCB scientist, who was involved in the study.



READ: May take decades to clean

Ganga water, say experts

The Pioneer 24-September-2020

लॉकडाउन के दौरान, गंगा समेत पांच प्रमुख नदियों के जल की गुणवत्ता में गिरावट

भाषा। नई दिल्ली

देश में गंगा समेत पांच प्रमुख नदियों के जल की गुणवत्ता लॉकडाउन के दौरान खराब हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बुधवार को कहा कि ऐसा नदियों में अवजल छोड़े जाने और पहाड़ों से ताजा पानी नहीं आने जैसे कारणों से हुआ है। प्रदूषण निगरानीकर्ता ने 46वें स्थापना दिवस के मौके पर जारी एक रिपोर्ट में कहा कि गंगा, व्यास, चंबल, सतलुज और स्वर्णरेखा नदियां बाहर स्नान करने की गुणवत्ता के खरी नहीं उतरती हैं। प्रमुख नदियों में पानी की गुणवत्ता पर लॉकडाउन के प्रभाव पर रिपोर्ट के मुताबिक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों (एसपीसीबी) की निगरानी वाली 19 नदियों में से सात में पानी की गुणवत्ता में सुधार हुआ।



सीपीसीबी ने कहा कि उसने एसपीसीबी से गंगा, यमुना, गोदावरी, कृष्णा, नर्मदा, व्यास, ब्रह्मपुत्र, वैतरणी, ब्राह्मणी, कावेरी, चंबल, घग्गर, महानदी, माही, पेन्नार, साबरमती, सतलुज, स्वर्णरेखा और तापी नदियों के पानी का आकलन करने को कहा था। इस आकलन में 20 राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों ने हिस्सा लिया। रिपोर्ट में कहा गया कि 19 नदियों से पानी के नमूने लिए गए और पीएच, घुलनशील ऑक्सीजन, जैव रसायन ऑक्सीजन मांग समेत विभिन्न मानकों पर परखा गया। इसके बाद बाहर स्नान करने के लिए प्राथमिक पानी की गुणवत्ता के 1986 पर्यावरण (संरक्षण) नियमों के अधिसूचित मानकों से इनकी तुलना की गई। रिपोर्ट में कहा गया, लॉकडाउन की अवधि के दौरान पांच नदियों-व्यास, चंबल, गंगा, सतलुज और स्वर्णरेखा के पानी की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ। इसमें कहा गया कि नदियों के पानी की गुणवत्ता में सुधार नहीं होने की वजह अशोधित अवजल को नदियों में छोड़ा जाना, सूखे मौसम के कारण उच्च प्रदूषकों का सांद्रण और उन्नाई से ताजा पानी नहीं आना आदि शामिल हैं।

The Pioneer 24-September-2020

भारी बारिश के कारण मुंबई में कई जगह भरा पानी

भाषा। मुंबई (महाराष्ट्र)

मुंबई में रातभर भारी बारिश के कारण बुधवार सुबह कई इलाकों में पानी भर गया, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ। अधिकारी ने बताया कि मुंबई में मंगलवार देर शाम बारिश शुरू हुई थी। मुंबई में रात में कुछ घंटों के दौरान भारी बारिश हुई। वित्तीय राजधानी में कई स्थानों पर पानी भरने की वजह से बुधवार सुबह जन परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं।

नगर निकाय अधिकारी ने बताया कि कई सड़कों और निचले इलाकों में रातभर हुई बारिश की वजह से पानी भर गया और सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। कई वाहनों के पानी में बंद पड़ने के कारण भी यातायात बाधित हुआ। मध्य रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि भारी बारिश

के कारण बुधवार सुबह पांच बजे उपनगर सेवाएं निलंबित रहीं। उन्होंने कहा, सायन-कुर्ला और चूनाभट्टी-कुर्ला में भारी बारिश और जलभराव के कारण, सीएसएमटी-ठाणे और सीएसएमटी-वाशी के कुछ इलाकों में सुरक्षा कारणों के चलते यातायात रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि ठाणे-कसार, ठाणे-कर्जत और वाशी-पनवेल के बीच विशेष बसें (शटल) भी चलाई गईं। लंबी दूरी की कई ट्रेनों के समय में परिवर्तन भी किया गया है। पश्चिमी रेलवे ने भी बताया कि चर्चगेट-अंधेरी स्टेशनों के बीच भारी बारिश और जलभराव के कारण उपनगरीय ट्रेन सेवाएं निलंबित रहीं। उसने ट्वीट किया, अंधेरी और विरार के बीच उपनगरीय लोकल सेवाएं सामान्य हैं। मुंबई की जीवन रेखा कही जाने वाली उपनगरीय ट्रेनें

कोविड-19 के कारण अभी आवश्यक सेवाओं में कार्यरत लोगों के लिए ही चलाई जा रही हैं और आम नागरिकों को इसमें यात्रा करने की अनुमति नहीं है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार दिन में मुंबई और ठाणे में भारी बारिश के पूर्वानुमान के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के उप महानिदेशक के. एस. होसालिकर के अनुसार सांताक्रूज में सुबह पांच बजे तक 273.6 मिमी और कोलाबा में 122.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। नगर निकाय अधिकारी ने बताया कि सड़कों पर पानी भरा होने के कारण बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं यातायात (बेस्ट) की बस सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं और कई जगह यातायात परिवर्तित किया गया।

The Pioneer 24-September-2020

Heavy rainfall likely over WB, Sikkim, Assam in next few days: IMD

PNS ■ NEW DELHI

The India Meteorological Department (IMD) on Wednesday predicted very heavy rainfall over West Bengal, Sikkim, Assam, Meghalaya, Uttar Pradesh and Bihar over the next few days. According to the IMD, a low-

pressure area lies over central parts of west Madhya Pradesh and neighbourhood with associated cyclonic circulation extending up to mid-tropospheric levels. It is likely to become less marked by September 24. However, it's associated cyclonic circulation likely to recurve northeast-

wards during the next 3-4 days. India received 918.3 mm rainfall as against the normal of 849.2 mm, an increase of 8 percent so far. Uttar Pradesh, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir, Nagaland, Manipur and Mizoram are among those states which received less rainfall this monsoon.

"High convergence over the northeast and adjoining east India very likely due to strong moist southerly/south-westerly winds from Bay of Bengal at lower tropospheric levels till September 26. A trough runs from northeast Uttar Pradesh to north Maharashtra at lower & middle

tropospheric levels. It is very likely to persist until September 24," IMD said.

Under the influence of the above systems, fairly widespread to widespread rainfall with isolated heavy to very heavy falls are very likely over Assam and Meghalaya on September 24; Sub-

Himalayan West Bengal & Sikkim; East Uttar Pradesh till September 25 and Bihar on September 26.

Thunderstorm with lightning at isolated places very likely over Uttarakhand, Uttar Pradesh, Vidarbha, Chhattisgarh, Bihar, Gangetic West Bengal, Gujarat state,

Madhya Maharashtra, Marathwada, Coastal Andhra Pradesh & Yanam, Telangana and Tamilnadu, Puducherry & Karaikal. Strong Wind (speed reaching 45-55 kmph) very likely over Southwest Arabian Sea. Fishermen are advised not to venture into these areas.

Deccan Chronicle 24-September-2020

Heavy rains lash Mumbai



People wade through a waterlogged street following heavy rains at Bhendi Bazaar in Mumbai on Wednesday. The city received its second-highest rainfall in 24 hours in the month of September since 1994. The incessant rains caused flooding at several areas in the city and left the rail and road traffic heavily disrupted.

— PTI

'For 70 years, govt has failed in saving people from flood, erosion'

GUWAHATI, Sept 23: The Core Professional Group of Brahmaputra (CPGB) and the Friends of Assam and Seven Sisters (FASS) International organised a webinar recently on the topic, 'The Brahmaputra (Challenges and Opportunities' recently in which the president of the FASS, Dr Rajen Barua said that for 70 years, the authorities have failed to protect the people of the North-east from flood and erosion, which have been devouring prime lands of the region at a rate of 80 square km per year, a press release stated.

"During the last 70 years, we have lost more than 2500 villages and 18 towns includ-

ing sites of cultural heritage, productive croplands and tea gardens affecting the livelihood of nearly 500,000 people. In short, for 70 years, the authorities have simply failed to protect the people and the land of the Northeast. What is more alarming is that this devastation is still continuing unabated without any checks or accountability," he said.

Dr Barua said that in 1980, the Government of India took over the flood control operations by forming the Brahmaputra Board (BB). Earlier, from 1950 to 1980 the authorities simply installed earthen embankments, bamboo and wooden spurs to control flood and erosion problems without

proper engineering design which actually aggravated the problems by raising the riverbed even higher, and making the flow characteristics more turbulent and erosive. "The BB's website provides records of some their activities with their annual reports from 2009. But what good are the annual reports for? The BB basically continued the same operations with outdated and ineffective technologies. In the meantime increased deforestation has increased the sediment load of the river greatly. There has not been any proper scientific studies done so far," he added.

Dr Arvind Phukan, president of CPGB, gave a pres-

entation of the CPGB's work during the last 10 years. He said that the CPGB was formed in 2009 with the goal to come up with proper design solutions to mitigate the recurring flood and erosion of the river Brahmaputra. The CPGB consists of experts in the field mainly from Northeast India, he said.

He appraised all of the grave situation that Majuli was facing. The 1250 sq km island has already been reduced to 50% of its size now, and the virtually uncontrolled bank erosion of the river is further reducing its size every year. Dr Phukan stated that CPGB had taken the Majuli as their pilot project and prepared a proposal for a

permanent solution to the problem. The original proposal was submitted in 2011, but the bureaucracy dragged it around for seven years. It was finally resubmitted again to IIT Guwahati on May, 2017. However, on November 14, 2017 the Brahmaputra Board informed that it had already taken up a scheme for Majuli protection at an estimated cost of Rs 233.57 crore, and that the tenders had been finalised. The Board's letter also informed that the physical work would begin soon and be completed by March 2019 and that the contract was awarded to M/s TK Engineering Consortium Ltd. Dr Phukan said that the CPGB

visited the site in December 2019 and observed that the construction work was not complete as scheduled as a result of which the first wave of 2019 floods washed away a substantial portion of the geo-bags and bank materials underneath.

Alarmed at the unabated erosion and flood situation of Majuli, Dr Phukan said that he wrote a letter to Prime Minister Narendra Modi, in June 2020, apprising him of the serious situation but till date, it has not received any response.

In the webinar some questions came up about the future plans, seeking of public funding, awareness campaigns and also suggestions

of filing of an RTI for BB's award of the failed contract of 2017 @ Rs 233.57 crore.

The webinar was attended by more than 60 participants from across the globe (USA, UK, Australia and India). The panelists were Dr Arvind Phukan, president of CPGB, Dr Rajen Barua, president of FASS, CPGB members of the design group: Dr David Williams, Dr Deva Borah and Ananta Nath. The webinar was coordinated by Vavani Sharma, and moderated by Rachna Nath, FASS VP and Director respectively. Several outside experts such as Dr Nayan Sharma of IIT Roorkee, Dr Dulal Goswami, Dr Prasujya Gogoi and others participated in the webinar.

The Statesman 24-September-2020

Heavy rains cause waterlogging in Mumbai, disrupt traffic

PRESS TRUST OF INDIA
MUMBAI, 23 SEPTEMBER

Heavy rains lashed Mumbai overnight, leaving many parts of the metropolis in waist deep water and disrupting rail and road traffic on Wednesday, officials said.

The Santacruz observatory recorded 286.4 mm rainfall during the 24-hour period ending at 8.30 a.m. on Wednesday, making it the fourth highest rainfall in Mumbai since 1974, an IMD official said.

At the municipal Nair Hospital in central Mumbai, the Covid-19 outpatient department (OPD) set up in a temporary shed in the compound was shifted to the casualty ward inside the building due to waterlogging in the compound, they said.

A doctor from the hospital said the normal OPD at the hospital has been suspended temporarily and only emergency cases are being examined at the casualty ward.

Two watchmen died in Agripada area after getting stuck inside a lift in the basement of a high rise building because of waterlogging, a

police official said.

There was also waterlogging in several areas in the suburbs like Goregaon, Malad and Dahisar, he said.

"Around 6 inches high water logging at Andheri Subway. However traffic has been resumed and police personnel from DN Nagar Police Station are on the spot to ensure convenient commute for Mumbaikars," Mumbai Police tweeted.

Rains across the island city and the western suburbs picked up late on Tuesday evening. There were intense spells across Mumbai overnight, a civic official said.

On Wednesday morning, public transport services were hit and normal life affected in the financial capital due to heavy downpour and waterlogging.

Several streets and low-lying areas were waterlogged due to overnight rains and the road traffic was also badly hit, a civic official said. Some vehicles broke down in the water, affecting the traffic movement, he added.

Mumbai's municipal commissioner Iqbal Singh Chahal



The flooded railway tracks after heavy monsoon rains in Mumbai on Wednesday.

AFP

has asked that all offices and establishments in the city, barring essential services, be shut on Wednesday due to the downpour and IMD's forecast of "heavy to very heavy rains" in the city.

A Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC) release

said Chahal has also appealed Mumbaikars not to step out of their homes, unless it is an emergency.

Suburban train services of Central Railway and Western Railway were suspended but resumed later as the intensity of the downpour waned.

Railways also cancelled or rescheduled many long-distance trains following the heavy rains. There was waterlogging in Sion-Kurla and Chunarhatti-Kurla sections and traffic was suspended on CSMT-Thane and CSMT-Vashi sections for safety reasons, a

CR official said.

Suburban trains, considered the lifeline of Mumbai, are being operated for essential services employees due to Covid-19 outbreak and common citizens are not authorised to travel in them as of now.

A civic official said the

public bus service of the Brihanmumbai Electric Supply and Transport was hit due to waterlogged streets, and traffic diverted at many places.

Five teams of the National Disaster Response Force are on standby in view of heavy rains in Mumbai, Thane and Palghar districts, Maharashtra Relief and Rehabilitation Minister Vijay Wadettiwar said. Mumbai received one of the highest showers in the last 24 hours of this monsoon season and more rainfall is likely in the city on Wednesday, India Meteorology Department (IMD) Mumbai centre Deputy Director General K S Hosalkar said.

The Santacruz observatory received 286.4 mm showers during the 24-hour period ending at 8.30 am on Wednesday, another IMD official said. "Today's rainfall of 286.4 mm is the fourth highest in Mumbai since 1974," he added.

The Bombay High Court on Wednesday suspended hearings, including all virtual hearings, scheduled for the day, in view of the heavy rainfall in the city and suburbs.

The Hans 24-September-2020



Chief Minister Y S Jagan Mohan Reddy meeting Union Jal Shakti Minister Gajendra Singh Shekawat in New Delhi on Wednesday

...Invites Jal Shakti Minister to visit Polavaram

New Delhi: Chief Minister Y S Jagan Mohan Reddy met Union minister of Jal Shakti, Gajendra Singh Shekawat, and invited him to visit the Polavaram project on Wednesday.

The Chief Minister requested Shekawat to release Rs 4,000 crore worth reim-

bursements due to the state as part of the Polavaram project.

He also requested the Central minister to speed up the rehabilitation support in the Polavaram project.

Jagan met Shekawat prior to meeting home minister Amit Shah and discussed the

irrigation projects in the southern state.

Incidentally, Shekawat promised cooperation to Jagan to complete the Polavaram project by 2021.

Rajya Sabha member V Vijayasai Reddy and others accompanied Jagan when he met the Jal Shakti minister.

sought Central assistance to tide over the crisis. The Chief Minister also discussed the is-

ssues of women's protection initiative Disha, and abolition of the Legislative Council. Be-

fore leaving Delhi for Tirupati, the Chief Minister held a meeting with party MPs.

Haribhoomi 24-September-2020

रायपुर, गुरुवार, 24 सितंबर 2020

haribhoomi.com

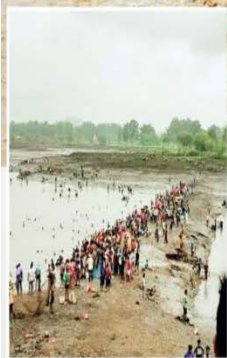
हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

संसदीय सचिव ने कहा

लापरवाह अधिकारियों पर होगी कार्रवाई



मछली पकड़ने उमड़ी भीड़

लैंक डाउन के बावजूद बांध के फूटने की जानकारी मिलते ही सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मछली पकड़ने जलशय में पहुंच गए। जहां दिनभर मछली पकड़ने का शिराजित्त जारी रहा। देखते ही देखते बांध से पानी इकट्ठा कम हो गया कि काफी संख्या में लोग बांध में मछली पकड़ने घुस गए, जिसकी जरूरत खाली मीठ लैंक डाउन के बीच तजर आई।

खाड़ा बांध टूटा: दर्जनों एकड़ की फसल तबाह, ग्रामीण बोले- दरार की सूचना विभाग को दी, नहीं पहुंचा कोई

हरिभूमि न्यूज ॥ बैरगुणपुर

जिला मुख्यालय से करीब 10 किमी की दूरी पर स्थित खाड़ा बांध का एक बड़ा हिस्सा बुधवार को सुबह टूटकर बह गया। इससे बांध में भरा पानी आसपास के कई गांवों में घुस गया और खेतों में लगी धान की फसल तबाह-नाहस हो गई। बांध से एका-एक पानी निकलने



खास खबर

शेष पेज 3 पर

हर संगत मदद मिलेगी

खाड़ा बांध टूटने से खराब हुई किसानों की फसल का मुआवजा प्रकरण तत्काल खत्म करने को कहा गया है। इसे लेकर सैबे जल संसाधन मंत्री रविंद्र चौधे से बात की है। बांध में दरार की जानकारी होने के बाद भी लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

-अधिका सिद्धदेव
संसदीय सचिव, छ.ग. शासन

40 एकड़ फसल प्रभावित

बांध टूटने की वजह से खाड़ा और खेडरी खान में करीब 40 एकड़ में धान की फसल प्रभावित होने का अनुमान है, अभी सर्वे कार्य जारी है। मिट्टी और पानी के कारण भी धान के फसलों को खरने जगह बुरासा पड़ता है। एक-दो दिन में सर्वे कार्य पूरा हो जाएगा।

-पी एस चौधान
उप सचिव कृषि, कोरिया

बांध के दोनों गेट थे खराब

ग्रामीणों ने बताया कि खाड़ा बांध में दो बड़े गेट हैं, नियमानुसार बांध को टूटने पर उसमें लगे गेटों को खोल दिया जाता है, लेकिन इस बांध के दोनों गेट खराब थे, इन पर खेरी में रेत छापकर उन्हें बंद कर दिया जाता है। रख-रखाव के काम पर हम सतत ध्यान रखते हैं, अधिकारी लाने आए हैं, खर्च करते हैं इसके बांध में यह स्थिति बन गई।

कलेक्टर पहुंचे मौके पर

बांध टूटने की जानकारी मिलने पर कलेक्टर एसएस राठौर अपने नाइटों के साथ स्थिति का जायजा लेने मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से पूरी जल संसाधन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे, जिन्हें उपस्थित ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के आग्रह का समझा भी करवा पड़ा।

Punjab Kesari 24-September-2020



मुम्बई: भारी बारिश के बाद पानी से भरे रास्ते में से गुजरते लोग, (इनसेट) पानी में आंशिक रूप से डूबी मूर्तियां तथा (दाएं) पानी से लबालब भरी सड़क पर फंसे वाहन।

मुम्बई में भारी बारिश, सड़कें-रेल ट्रैक पानी में डूबे

मुम्बई, 23 सितम्बर (प.स.): मुम्बई में कल रात भर हुई भारी बारिश के कारण सड़कें व रेल ट्रैक पानी में डूब गए। मुम्बई में मंगलवार देर शाम बारिश शुरू हुई थी। देश की आर्थिक राजधानी में कई स्थानों पर पानी भरने की वजह से बुधवार सुबह जन परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं। नगर निकाय अधिकारी ने बताया कि रेल और सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ।

मुम्बई के नगरपालिका आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने शहर में “भारी से बेहद भारी बारिश” के भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.) के पूर्वानुमान की

**मौसम विभाग
ने जारी किया
आरेंज अलर्ट**

वजह से आवश्यक सेवाओं के अलावा सभी कार्यालयों और अन्य संस्थानों को बंद रखने को कहा है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बी.एम.सी.) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चहल ने मुम्बईवासियों से आपात स्थिति को छोड़ कर घरों से न निकलने की अपील की है।

मध्य रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि भारी बारिश के कारण बुधवार सुबह 5 बजे से उपनगर सेवाएं निर्लंबित रहें। मौसम विभाग ने मुम्बई और ठाणे में भारी बारिश के पूर्वानुमान के साथ ‘आरेंज अलर्ट’ जारी किया है।



मुम्बई: बारिश के बाद घूनाभट्टी रेलवे स्टेशन पर हुआ जलभराव।

Jansatta 24-September-2020

मुंबई में पिछले 24 घंटे में 280 मिमी बारिश

मुंबई (महाराष्ट्र) 23 सितंबर (भाषा)।

मुंबई में पिछले 24 घंटे में भारी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने बारिश के बुधवार को भी जारी रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के मुंबई केंद्र के उप महानिदेश केएस होसालिकर ने कहा, 'मुंबई में पिछले 24 घंटे में भारी बारिश दर्ज की गई जो अब तक की सर्वाधिक बारिशों में से एक है।' आइएमडी के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सांताक्रुज वेधशाला में बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में 286.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो कि महाराष्ट्र की राजधानी में अभी तक की चौथी सर्वाधिक बारिश थी।

Hindustan 24-September-2020

केन-बेतवा पर सहमति बनाएंगे यूपी-मध्य प्रदेश

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

चर्चा

देश की पहली नदी जोड़ परियोजना केन-बेतवा लिंक को जल्द पूरा करने के लिए जल शक्ति मंत्रालय सक्रिय हो गया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक कर दोनों राज्यों को अपने विवादित मुद्दे जल्द सुलझाने को कहा है।

बैठक में दोनों राज्यों के बीच आपसी सहमति के ज्ञापन को जल्द अंतिम रूप देने पर भी चर्चा हुई, ताकि केन-बेतवा जोड़ परियोजना का काम तेज किया जा सके। बैठक के दौरान गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की महत्वाकांक्षी

- केंद्रीय मंत्री शेखावत ने दोनों राज्यों के मंत्रियों के साथ की बैठक
- गर्मियों में पानी के बंटवारे पर दोनों राज्यों ने रखे अपने मुद्दे

परियोजना थी। इसका उद्देश्य बुंदेलखंड क्षेत्र का सूखा समाप्त कर लोगों को खेती-किसानी के साथ आसानी से पीने का पानी मुहैया कराने का था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी लगातार जोर रहा है कि इस परियोजना को जल्द पूरा किया जाए, ताकि बुंदेलखंड क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक विकास तेजी से हो सके। शेखावत ने दोनों राज्यों से आग्रह किया कि वे छोटे-छोटे मुद्दों से ऊपर उठें।